22.08.25

पत्रावली पेश हुई। वकील उभयपक्ष उपस्थित। वकील अपार्थी को बार-बार अवसर देने पर भी जवाब प्र०प० पेश नहीं किया है। अतः अपार्थी का जवाब बन्द किया जाता है। वकील प्रार्थी को सुना गया। पत्रावली का अवलोकन किया गया। बहस पर मनन करने पर प्रार्थी का

— लगातार

फर्द अहकाम

तारीख	आदेश का विवरण मय अधिकारी के लघु हस्ताक्षर	आदेश की पालना में की गई कार्यवाही
	प्रा०पत्र स्वीकार योग्य होने के कारण स्वीकार किया जाता है। विस्तृत निर्णय पृथक से लिखाया जाकर संलग्न किया गया। पत्रावली बाद तरतीब तकमील होकर दाखिल दफ्तर हो। निर्णय लिखाया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया गया। [signature] (सुनीलकुमार चौहान) RAS	